# मस्तिष्क में भावनाओं के स्थान का खुलासा

यदि फिल्मों की मानें तो बुद्धि दिमाग में होती है और भावनाएं दिल में। मगर वैज्ञानिक समझ यह है कि इन दोनों का स्थान दिमाग में ही है। हाल के अध्ययनों से लगता है कि दिमाग में भावनात्मक बुद्धि से जुड़े अलग-अलग हिस्से होते हैं और ये हमारी सामान्य समस्याएं सुलझाने की क्षमता से स्वतंत्र होते हैं। यह अध्ययन बेथेस्डा स्थित नेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ न्यूरोलॉजिकल डिसऑर्डर्स एण्ड स्ट्रोक के जॉर्डन ग्राफमैन और उनके सहयोगियों ने किया है और इसके परिणाम प्रोसीडिंग्स ऑफ दी नेशनल एकेडमी ऑफ साइन्सेज़ में प्रकाशित हुए हैं।

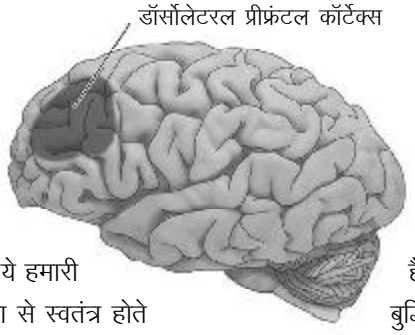


ग्राफमैन और उनके सहयोगियों ने इस अध्ययन के लिए वियतनाम युद्ध में घायल हुए अमेरिकी फौजियों को लिया। दिमागी चोट से ग्रस्त हुए 38 फौजियों के साथ 29 स्वस्थ फौजियों को भी चुना गया। दिमागी चोट से ग्रस्त फौजियों में चोट दिमाग के अलग-अलग हिस्सों में थी। इन फौजियों और तुलना के लिए चुने गए व्यक्तियों को भावनात्मक बुद्धि से सम्बंधित कार्य दिए गए।

प्रयोग के परिणामों को समझने के लिए यह ध्यान रखना आवश्यक है कि भावनात्मक बुद्धि दो तरह की होती है। एक भावनात्मक बुद्धि को 'आनुभविक' भावनात्मक बुद्धि कहते हैं और इसका सम्बंध इस बात से होता है कि व्यक्ति दूसरों की भावनाओं को समझ सकता है या नहीं। दूसरे किस्म की भावनात्मक बुद्धि 'रणनीतिक' कहलाती है और इसका सम्बंध विभिन्न परिस्थितियों में सामाजिक रूप से उपयुक्त प्रतिक्रिया की योजना बना पाने से है।

जिन 17 फौजियों के दिमाग के डॉर्सोलेटरल प्रीफ्रंटल कॉर्टेक्स चोटग्रस्त हुए थे, उनमें 'आनुभविक' प्रक्रिया में दिक्कत पैदा हुई थी जबकि 'रणनीतिक' कार्यों में वे सामान्य थे। दूसरी ओर, जिन 21 फौजियों में वेंट्रोमीडियल प्रीफ्रंटल कॉर्टेक्स क्षतिग्रस्त हुआ था, उनमें हालत इससे एकदम उलट थी। इससे पता चलता है कि ये दो तरह की भावनात्मक क्षमताएं एक-दूसरे से अलग-अलग काम करती हैं।

अध्ययन के दौरान यह भी पता चला कि सभी फौजियों में संज्ञान क्षमता पर कोई असर नहीं पड़ा था। इसका मतलब है कि सामान्य बुद्धिमत्ता और समस्याएं सुलझाने की क्षमता भावनात्मक बुद्धि से स्वतंत्र है। ***(स्रोत फीचर्स)***